अभ्यास पत्रक

पाठ: 10 - तरुण के स्वप्न

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) नेताजी अपने स्वप्न को सार्थक बनाने के लिए प्राण देने को क्या मानते हैं?

(क) एक बड़ी हानि (ख) स्वर्ग के समान (ग) एक साधारण घटना (घ) एक मजबूरी

(ii) नेताजी ने अपना स्वप्न किसे उपहारस्वरूप दिया?

(क) देशबंधु को (ख) तरुणों (युवाओं) को (ग) भारत सरकार को (घ) अपने परिवार को

(iii) नेताजी ने सैनिकों को कौनसा नारा दिया था?

(क) करो या मरो (ख) इंकलाब जिंदाबाद

(ग) दिल्ली चलो और जय हिंद (घ) वंदे मातरम्

(iv) लेखक के अनुसार, उनका आदर्श राष्ट्र विश्व-मानव के समक्ष किस रूप में गिना जाएगा?

(क) एक शक्तिशाली राष्ट्र (ख) एक धनी राष्ट्र

(ग) एक आदर्श-समाज और आदर्श-राष्ट्र (घ) एक विशाल राष्ट्र

(v) "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा" - यह प्रेरक नारा किसने दिया था?

(क) भगत सिंह (ख) महात्मा गाँधी (ग) चंद्रशेखर आजाद (घ) सुभाषचंद्र बोस

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) लेखक ने अपने भाषण में युवाओं को क्या कहकर संबोधित किया है?

उत्तर- .....

(ii) नेताजी का स्वप्न उनके क्षुद्र जीवन को भी क्या बनाता है?

उत्तर- .....

(iii) नेताजी की चर्चित पुस्तक का क्या नाम है?

उत्तर- .....

(iv) सुभाषचंद्र बोस का जन्म कहाँ हुआ था?

उत्तर- .....

(v) नेताजी के स्वप्न की प्रतिष्ठा के लिए क्या-क्या सहा जा सकता है?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) नेताजी के अनुसार एक आदर्श राष्ट्र का लक्ष्य केवल अपने देशवासियों का अभाव मिटाना ही नहीं, बल्कि और क्या होना चाहिए?

उत्तर- .....

.....

(ii) "यह स्वप्न मेरे समक्ष नित्य एवं अखंड सत्य है।" - इस पंक्ति का क्या आशय है?

उत्तर- .....

.....

(iii) पाठ के अंत में नेताजी युवाओं को अपना स्वप्न सौंपते हुए क्या कहते हैं?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) "हे मेरे तरुण भाइयो! तुम्हें देने लायक मेरे पास कुछ भी नहीं है, है सिर्फ यही स्वप्न..." - इन पंक्तियों के माध्यम से नेताजी युवाओं से क्या अपेक्षा रखते हैं और उन्हें क्या जिम्मेदारी सौंप रहे हैं?

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 2)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ख) स्वर्ग के समान

(ii) (ख) तरुणों (युवाओं) को

(iii) (ग) दिल्ली चलो और जय हिंद

(iv) (ग) एक आदर्श-समाज और आदर्श-राष्ट्र

(v) (घ) सुभाषचंद्र बोस

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) लेखक ने अपने भाषण में युवाओं को "हे मेरे तरुण भाइयो!" कहकर संबोधित किया है।

(ii) नेताजी का स्वप्न उनके क्षुद्र (साधारण) जीवन को भी सार्थक बनाता है।

(iii) नेताजी की चर्चित पुस्तक का नाम 'द इंडियन स्ट्रगल' है।

(iv) सुभाषचंद्र बोस का जन्म उड़ीसा (अब ओड़िशा) राज्य के कटक नगर में हुआ था।

(v) नेताजी के स्वप्न की प्रतिष्ठा के लिए हर प्रकार का त्याग किया जा सकता है और हर संकट को सहा जा सकता है।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) नेताजी के अनुसार एक आदर्श राष्ट्र का लक्ष्य केवल अपने देशवासियों का अभाव मिटाना ही नहीं, बल्कि विश्व के सामने एक आदर्श-समाज और आदर्श-राष्ट्र का उदाहरण प्रस्तुत करना भी होना चाहिए।

(ii) इस पंक्ति का आशय है कि नेताजी के लिए उनका स्वप्न कोई साधारण कल्पना नहीं, बल्कि एक ऐसा शाश्वत और अटूट सत्य है जिस पर उन्हें पूरा विश्वास है और जिसे वे हर हाल में प्राप्त करना चाहते हैं।

(iii) पाठ के अंत में नेताजी युवाओं को अपना स्वप्न सौंपते हुए कहते हैं कि उनके पास देने के लिए धन-दौलत नहीं, बल्कि केवल यही स्वप्न है जो उन्हें असीम शक्ति और आनंद देता है। वे युवाओं से इस स्वप्न को एक उपहार के रूप में स्वीकार करने का आग्रह करते हैं।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) इन पंक्तियों के माध्यम से नेताजी युवाओं के सामने अपनी विनम्रता प्रकट करते हैं, लेकिन साथ ही उन्हें एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी सौंपते हैं। वे कहते हैं कि उनके पास कोई भौतिक संपत्ति या पद देने के लिए नहीं है, लेकिन वे अपनी सबसे कीमती चीज - 'एक आदर्श राष्ट्र का स्वप्न' - उन्हें दे रहे हैं। इस कथन से वे युवाओं से निम्नलिखित अपेक्षाएँ रखते हैं:

- **नेतृत्व स्वीकारना:** वे चाहते हैं कि युवा पीढ़ी इस स्वप्न को अपना बनाए और इसके उत्तराधिकारी बनें।
- **कर्म और त्याग:** वे अपेक्षा करते हैं कि युवा इस स्वप्न को केवल कल्पना न समझें, बल्कि इसे साकार करने के लिए हर संभव प्रयास, त्याग और संकट सहने के लिए तैयार रहें।
- **प्रेरणा प्राप्त करना:** जिस तरह यह स्वप्न नेताजी को शक्ति और आनंद देता है, वे चाहते हैं कि यही स्वप्न युवाओं के जीवन को भी सार्थक बनाए और उन्हें निरंतर प्रेरणा देता रहे। इस प्रकार, नेताजी युवाओं को देश के भविष्य का निर्माता मानकर, उन्हें एक आदर्श भारत के निर्माण की जिम्मेदारी सौंप रहे हैं।